सांध्य दैनिक 4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 167 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 जुलाई, 2022

मैं इस बात पर जोर देता हूं कि मैं महत्वाकांक्षा, आशा और जीवन के प्रति आकर्षण से भरा हुआ हूं। पर मैं जरूरत पड़ने पर ये सब त्याग सकता हूं और वही सच्चा बलिदान है।

-भगत सिंह

भाजपा पर भड़के सिसोदिया, कहा... 7 | तो राजभर फिर भाजपा को बनाएंगे... 3 | झूठे प्रचार के सहारे सत्ता में बने... 2

शिक्षक भर्ती घोटाले में ममता के मंत्री पार्थ चटर्जी गिरफ्तार, सियासत गर्म

मंत्री की करीबी अर्पिता के घर से ईडी को मिला 21 करोड़ कैश, 79 लाख का सोना और विदेशी मुद्रा

» अर्पिता को लिया गया हिरासत में, अभी और हो सकती हैं गिरफ्तारियां भाजपा ने घोटाले पर घेरा

» तृणमूल बोली, बदनाम करने के लिए लिया जा रहा ईडी का सहारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज शिक्षक भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल की ममता सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री और वर्तमान में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया है। मंत्री की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर छापेमारी में ईडी को 21 करोड़ रुपये कैश, 79 लाख का सोना और 54 लाख की विदेशी मुद्रा मिली है। अर्पिता को हिरासत में ले लिया गया है। इसके बाद ईडी पार्थ चटर्जी के आवास पर पहुंची और कई घंटों की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी के बाद बंगाल की सियासत गर्म हो गयी है। भाजपा ने गिरफ्तारी और कैश मिलने को ट्रेलर बताया है वहीं तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग करने और ममता सरकार के मंत्रियों को परेशान करने का आरोप लगाया है।

ईडी के अधिकारियों ने पार्थ चटर्जी को उनके आवास पर लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। जब यह घोटाला हुआ था तब चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। प्रवर्तन निदेशालय इस घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ धनशोधन संबंधी मामले की जांच कर रहा है। सीबीआई दो बार चटर्जी से पूछताछ कर चुकी है। पहली बार 25 अप्रैल को और दूसरी बार 18 मई को पूछताछ की गई थी। इसके पहले पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर पर ईडी ने छापा मारा था। खबर लिखे जाने तक ईडी ने नोटों की गिनती के लिए दो और मशीनें मंगाई हैं। अभी तक ईडी ने अर्पिता के घर से 21 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। इस कार्रवाई की जो तस्वीर सामने आई है उसमें 500 रुपये और 2000 रुपये के नोटों का बड़ा पहाड़ देखने को मिल रहा है। अर्पिता के अलावा ईडी ने कई और ठिकानों पर छापे मारे हैं। इस सूची में मंत्री पार्थ चटर्जी, माणिक भट्टाचार्य, आलोक कुमार सरकार, कल्याण मॉय गांगुली जैसे नाम शामिल बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। भाजपा नेता सुवेंदू अधिकारी ने कहा कि अर्पिता के घर से 21 करोड़ मिले हैं। वे पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की खास सहयोगी हैं। ये पैसा शिक्षा मंत्रालय के लिफाफे में पड़ा मिला है। उन्होंने इसे सिर्फ ट्रेलर करार दिया। वहीं पश्चिम बंगाल के परिवहन मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहा, यह टीएमसी के नेताओं को परेशान करने और डराने-धमकाने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। सीबीआई पहले ही उनसे पूछताछ कर चुकी है और वे सहयोग कर रहे हैं। अब उन्हें बदनाम करने के लिए ईडी का सहारा लिया जा रहा है। भाजपा ने धनशोधन का मामला गढ़ा है।

अदालत ने बनाई थी कमेटी

राज्य के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तहत शिक्षक और अन्य पदों पर नियुक्तियों के लिए स्कूल सेवा आयोग ने वर्ष 2016 में परीक्षा आयोजित की थी। उसके परिणाम 27 नवंबर 2017 को आए। उसमें सिलीगुड़ी की बबीता सरकार का नाम शीर्ष 20 उम्मीदवारों में शामिल था, लेकिन आयोग ने वह सूची रद्द कर दी। बाद में निकली सूची में बबीता का नाम तो वेटिंग लिस्ट में चला गया लेकिन उससे 16 नंबर कम पाने के बावजूद मंत्री की पुत्री अंकिता का नाम शीर्ष पर आ गया। अदालत ने इस घोटाले की जांच के लिए रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति की रिपोर्ट के बाद इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

कौन हैं अर्पिता मुखर्जी

ईडी के मुताबिक अर्पिता मुखर्जी पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पार्थ चटर्जी की क्लोज एसोसिएट हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अर्पिता मुखर्जी कुछ बंगाली, ओड़िया और तमिल फिल्मों में काम भी कर चुकी हैं। दुर्गा पूजा कमेटी के जरिए पार्थ से अर्पिता की मुलाकात हुई थी।

न्यायिक मुद्दों पर एजेंडा चलाना हानिकारक : सीजेआई

» मीडिया चला रहा कंगारू कोर्ट, प्रिंट की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जवाबदेह नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। सीजेआई एनवी रमन ने आज झारखंड में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मीडिया को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि मीडिया कंगारू कोर्ट चला रहे हैं। इसके चलते कई बार अनुभवी न्यायाधीशों को भी सही और गलत का फैसला करना मुश्किल हो जाता है। कई न्यायिक मुद्दों पर गलत सूचना और एजेंडा चलाना लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित हो रहा है।

सीजेआई ने कहा, हम अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते। यह प्रवृत्ति हमें दो कदम पीछे ले जा रही है। प्रिंट मीडिया में अभी भी कुछ हद तक जवाबदेही है लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की कोई जवाबदेही नहीं बची है। न्यायाधीश सामाजिक वास्तविकताओं से आंखें नहीं मूंद सकते हैं। न्यायाधीशों को समाज को बचाने और संघर्षों को टालने के लिए ज्यादा दबाव वाले मामलों को प्राथमिकता देना होगा।

तबादलों में खेल और मंत्रियों की नाराजगी के बीच सीएम पहुंचे दिल्ली, अटकलें तेज

» लोक सभा चुनाव से पहले सूबे में सियासी उठापटक से परेशान है शीर्ष नेतृत्व

» पीएम मोदी, शाह और नड्डा से करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के तबादलों में हुए खेल और मंत्रियों की नाराजगी के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली पहुंचे हैं। यहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि प्रदेश में चल रहे भ्रष्टाचार और सियासी उठापटक को लेकर सीएम शीर्ष नेतृत्व के सामने मामले को स्पष्ट करेंगे।

पीडब्ल्यूडी के तबादलों में भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद सीएम ने विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को न केवल हटा दिया बल्कि उनके खिलाफ विजिलेंस जांच की सिफारिश भी की है। विभाग के पांच अन्य अफसरों को निलंबित किया गया है। बताया जा रहा है कि इससे जितिन प्रसाद नाराज चल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के तबादलों को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। जल शक्ति विभाग के राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने इस्तीफा देकर हलचल मचा दिया था। माना जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व लोक सभा चुनाव के पहले प्रदेश में चल रही सियासी उठापटक से परेशान है और मामले पर सीएम योगी को दिल्ली बुलाया गया है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के विदाई समारोह में होंगे शामिल

सीएम योगी आदित्यनाथ आज शाम को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के विदाई समारोह में शामिल होंगे। वह निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट भी करेंगे।

पिटबुल की पैरवी में उतरीं मेनका गांधी, नगर निगम से साधा संपर्क

» डागी को परिवार को ही देने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मालकिन को मारने के बाद चर्चा में आई पिटबुल डागी ब्राउनी को परिवार को देने की पैरवी पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी ने की है। मेनका गांधी ने नगर निगम के अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया और कहा कि पिटबुल के मालिक अमित त्रिपाठी चाहते हैं कि पिटबुल ब्राउनी को किसी अन्य को सौंपने के बजाय उसके किसी रिश्तेदार को दे दिया जाए, जो दूर गांव में उसे भेज देंगे। इसलिए नगर निगम को अमित के अनुरोध पर विचार करना चाहिए। नगर निगम के संयुक्त निदेशक (पशु कल्याण) डॉ. अरविंद राव ने मेनका गांधी के आए फोन की पुष्टि की और कहा कि जो भी होगा नियमानुसार किया जाएगा।

उसे गोद लेने के लिए करीब आठ लोग नगर निगम से संपर्क कर चुके हैं, जबकि बंगलुरू की एक संस्था ने भी उसे गोद लेने की चाहत दिखाई है। डाग मील न खाने वाली ब्राउनी ने अंडा भी नहीं खाया था और ब्राउनी को चिकन ही पसंद है। कैसरबाग बंगाली टोला में मालकिन सुशीला त्रिपाठी को मारने वाली ब्राउनी को नगर निगम ने जब्त कर इंदिरानगर (कुकरैल पिकनिक स्पाट के पास) में बने नगर निगम के कुत्ता नसबंदी केंद्र जरहरा में रखा है।

झूठे प्रचार के सहारे सत्ता में बने रहना चाहती है भाजपा सरकार : अखिलेश

» नहीं रोकना चाहती बढ़ती महंगाई की मार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार और झूठे प्रचार के सहारे सत्ता में बने रहना चाहती है। बढ़ती महंगाई भाजपा रोकना ही नहीं चाहती है। सरकार के मंत्रियों में ही दरार सामने आ गई है। सरकार व अफसरशाही के बीच खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। अखिलेश ने कहा कि बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार भाजपा सरकार का नारा देकर सत्ता में आई सरकार ने महंगाई की बेरहम मार से जनता का जीवन मुश्किल में डाल दिया है।

बढ़े पूंजी-घराने मुनाफा कमाने की होड़ में गरीब का शोषण करने में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अमूल के बाद पराग ने भी दही-मट्ठा के दाम बढ़ा दिए हैं।

मंत्रियों ने अपनी ही सरकार के कामकाज पर जो आरोप लगाए हैं उनकी जांच कब होगी? भाजपा सरकार की 'जीरो टालरेंस' का फायदा दबंग भ्रष्टाचारी उठा रहे हैं। इस तरह की सभी अवांछित करतूतों को झूठ से छुपाने का काम भाजपा सरकार कर रही है। महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय करने वाली भाजपा सरकार से अब जनता तंग आ चुकी है। बता दें कि इससे पूर्व अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि आज पूरा प्रदेश सूखे की चपेट में है। किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। बारिश न होने से खरीफ की बोआई रुकी हुई है। सरकार के कथित पौधारोपण अभियान पर भी सूखे का साया मंडराने लगा है। लेकिन भाजपा सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि एक अंदाजा है कि इस वर्ष खरीफ की बोआई छह लाख हेक्टेयर कम होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने 60 लाख हेक्टेयर धान रोपाई का लक्ष्य रखा जबकि 27 लाख हेक्टेयर धान की ही रोपाई अब तक हो सकी है। प्रदेश में बिजली भी उपलब्ध नहीं है। सिंचाई के लिए न बिजली है न पानी। रजवाहे सूखे हैं। तालाब-पोखर में पानी नहीं रह गया है। पशुओं को न पीने का पानी और नहीं चारा-भूसा मिल पा रहा है। भाजपा सरकार अलर्ट जारी कर अपने कर्तव्य से इतिश्री कर लेती हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा था कि प्रदेश सरकार ने मौसम की पूरी जानकारी के बगैर 30 करोड़ पौधे लगा दिए।

पीएम मोदी ने जातिवाद की जगह राष्ट्रवाद को दिया बढ़ावा : स्वतंत्रदेव

» दिनेश खटीक मामले में बोलने से बचे स्वतंत्र देव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की सरकार ने राजनीति में बढ़ रहे जातिवाद, वंशवाद की जगह राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया। आज देश इस दिशा में बढ़ भी गया है। देश का नौजवान भी राष्ट्रवाद की ओर चल रहा है। प्रयागराज में जिला पंचायत सभागार में आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को साहसिक निर्णय लेने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि उन्हें चुनौतियों का सामना करना और उससे लड़ना बखूबी आता है।

पीएम ने 20 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पारी का प्रारंभ कर आज तक कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। देश एवं राष्ट्र हित में जो भी निर्णय लेना हुआ उसमें कोई हिचकिचाहट भी नहीं दिखाई। उनका नाम और उनका काम पूरे संसार में गूंज रहा है । विश्व भर में कोरोना जैसी महामारी के लिए भारत संकट मोचन साबित हुआ और भारत की स्वदेशी वैक्सीन की दुनिया भर में सराहना हुई। महिलाओं को सशक्तिकरण करने के लिए और उनको सुरक्षा प्रदान करने के लिए जो नीतियां बनाई, उसे जमीन पर उतारा गया। प्रबुद्ध जन संगोष्ठी में मोदी 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी नाम की पुस्तक पर चर्चा स्वतंत्र देव भी की। उन्होंने समाज के सभी व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं से पुस्तक का अध्ययन कर उसे प्रेरणा मान कर अपने जीवन को आगे बढ़ाने की बात भी कही। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह मीडिया से कन्नी काटते नजर आए। इस बीच राज्यमंत्री दिनेश खटीक मामले में उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। वे मुस्कराते हुए आगे बढ़ गए। झूंसी सुनौटी स्थित आश्रम में एक धार्मिक कार्यक्रम में भी उन्होंने शिरकत की। इसके पूर्व सर्किट हाउस में भी भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

क्रॉस वोटिंग अनुशासनहीनता, कांग्रेस हाईकमान ने मांगी रिपोर्ट

» उत्तराखंड में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य करेंगे जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रदेश में क्रॉस वोटिंग से कांग्रेस के भीतर खलबली मची है। पार्टी हाईकमान ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए इस प्रकरण की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट देने को कहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि पार्टी विधायक का क्रॉस वोटिंग करना पार्टी के साथ धोखा है। उधर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य कमेटी का गठन कर मामले की जांच करेंगे।

आर्य ने कहा कि क्रॉस वोटिंग अनुशासनहीनता है। राष्ट्रपति चुनाव में राज्यों से विधायकों के वोटिंग की रिपोर्ट

ने प्रदेश कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राज्य में कुल 70 विधायकों में से भाजपा के 47, कांग्रेस के 19 और बसपा के दो विधायक हैं। दो विधायक निर्दलीय हैं। इस चुनाव में तीन विधायक विभिन्न कारणों से वोट नहीं दे सके थे। भाजपा विधायक और कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास और कांग्रेस विधायक तिलकराज बेहड़ स्वास्थ्य कारणों से वोट नहीं दे सके थे। वहीं कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी बरसात में मार्ग बाधित होने से मतदान से वंचित रहे। राष्ट्रपति पद की एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को प्रदेश से 51 विधायकों के मत प्राप्त हुए हैं। कांग्रेस के दो विधायकों को छोड़ा जाए तो 17 विधायकों ने मतदान में भाग लिया। वहीं भाजपा के 46 विधायकों ने मतदान किया। द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में बसपा के दो और दो निर्दलीय विधायकों ने भी मतदान किया। यह आंकड़ा 50 हो रहा है। मुर्मू को 51 यानी एक मत अधिक पड़ा, जबकि एक मत खराब हो गया। ये दोनों ही मत कांग्रेस विधायकों के माने जा रहे हैं। इसमें भी एक विधायक के क्रॉस वोटिंग करने से कांग्रेस में हड़कंप है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने क्रॉस वोटिंग की जानकारी मिलने पर नई दिल्ली में पार्टी हाईकमान को सूचित किया। हाईकमान ने इसे गंभीर मानते हुए नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से जांच कराने को कहा है। जांच रिपोर्ट हाईकमान को भेजी जाएगी। माहरा ने कहा कि पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान का निर्णय नहीं लिया था। पार्टी से अलग रुख अपनाना गंभीर विषय है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आजम को सुप्रीम कोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता व रामपुर से सपा विधायक आजम खान को कल सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने जौहर यूनिवर्सिटी के सील किए हिस्से को तत्काल डी सील करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के जौहर यूनिवर्सिटी के अवैध अतिक्रमण वाली जमीन लौटाने वाली शर्त को रद्द कर दिया। कोर्ट ने आजम खान को नियमित जमानत भी दी है।

इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश सरकार की रामपुर जाने से रोकने की अपील को भी खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा आजकल यह गलत परिपाटी चल गई है कि हाईकोर्ट के जज जमानत देते समय गैर जरूरी टिप्पणी करते हैं और जमानत के लिए गैर जरूरी शर्त लगाते हैं। दरअसल, हाईकोर्ट ने आजम खान की जमानत शर्त के तौर पर रामपुर

डीएम को निर्देश दिया था कि वह जौहर यूनिवर्सिटी परिसर से लगी जमीन को सरकार के कब्जे में लें। इस पर आजम खां ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने सपा नेता आजम खान को जमानत के लिए उनकी यूनिवर्सिटी से सटी जमीन को कुर्क करने की शर्त पर रोक लगा दिया।

तो राजभर फिर भाजपा को बनाएंगे अपना सहारा!

» अखिलेश पर लगातार हमलावर हैं सुभासपा प्रमुख » सुरक्षा बढ़ने पर सियासी गलियारों में चर्चा गर्म

» बस नाम का रह गया है सपा से गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से ओमप्रकाश राजभर की नाराजगी बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में राजभर भाजपा की गलियों में अपना ठिकाना ढूंढ़ रहे हैं। राजभर भाजपा को अपना सहारा बनाएंगे। शायद तभी वे लगातार अपने गठबंधन के नेता अखिलेश पर हमलावर हैं। राजभर की सुरक्षा बढ़ने से सियासी गलियारों में यही चर्चा है। दरअसल, सपा गठबंधन के सहयोगी पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को योगी सरकार ने वाई कैटेगरी की सिक्योरिटी दी है। इस बाबत शासन ने लेटर जारी कर दिया है। अखिलेश से नाराज चल रहे राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए कैंडिडेट द्रौपदी मुर्मु को वोट किया था। सियासी गलियारे में चर्चा है कि वोटिंग करने का उन्हें इनाम मिला है।

ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर में जहूराबाद सीट से विधायक हैं। 2022 में उन्होंने अखिलेश की पार्टी से गठबंधन किया था। अखिलेश ने उनकी पार्टी सुभासपा यानी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को 17 सीटें दी थीं। छह सीटों पर जीत मिली थी। जहूराबाद विधायक एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को शासन के निर्देश पर वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो चुका है। आमजनों में भी चर्चा है कि सरकार द्वारा राजभर का ख्याल करना कहीं न कहीं आने वाले लोक सभा चुनाव को लेकर नया संकेत है। सुभासपा ने विधान सभा चुनाव में सपा से गठबंधन किया था। इस दौरान सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार के खिलाफ जहां जमकर हमला बोला था वहीं चुनाव में जहूराबाद सीट से भारी अंतरों से जीत दर्जकर विरोधियों को पटखनी दी थी और राजभर समाज के सफल नेतृत्वकर्ता के रूप में खुद को साबित किया था। बता दें कि आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव में सपा को मिली करारी हार के बाद से ही वह सपा के खिलाफ मुखर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देने के साथ ही राष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष के प्रत्याशी को समर्थन न देकर एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में खड़े रहे। इधर शासन के निर्देश पर गाजीपुर पुलिस ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। ऐसे में आम जनों में चर्चा है कि सुरक्षा देने का मतलब धीरे-धीरे भाजपा से उनकी नजदीकी बढ़ती जा रही है, जो आने वाले लोक सभा में एक नया गुल खिलाने की ओर से इशारा कर रहा है। इस बारे में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे ने बताया कि शासन के निर्देश पर तीन दिन पूर्व जहूराबाद विधायक ओमप्रकाश राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है।

सपा से आजमगढ़ के मुस्लिम नाराज

सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर खुलकर सपा पर प्रहार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि रामपुर और आजमगढ़ की सीट पर उप चुनाव हारने के पीछे मुस्लिम वोटों का समाजवादी पार्टी से कटना है। आजमगढ़ में गुड्डू जमाली को पार्टी में बुलाकर धोखा दिया गया। सपा में पहले भाई, उसके बाद जो भाजपा को हराई, तब सपाई की पूछ है। इस रवैये से आजमगढ़ के मुस्लिम नाराज हो गए। राजभर ने आगे कहा कि मायावती ने गुड्डू जमाली को बुलाकर बसपा का टिकट दे दिया। इससे 60-70 हजार मुस्लिम वोट बसपा को मिल गए, जबकि हमने वोट के फासले को कम करने के लिए भरपूर मेहनत की। फोन पर बातचीत में उन्होंने कहा कि उप चुनाव के दौरान पार्टी के सेनापति एसी से नहीं निकले। इसका भी असर चुनाव पर पड़ा।

आज की सपा मुलायम सिंह यादव वाली नहीं

राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव समेत सपा के सभी सेनापति इसके लिए दोषी हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा गाजीपुर में कभी सातों सीटें नहीं जीती। अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया में इस बार जो परिणाम आया उसे देख लें, खुद पता चल जाएगा। 2017 में सपा और कांग्रेस साथ लड़ी थी लेकिन कुल 47 सीट पर सिमट कर रह गए थे। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि मैं कोशिश नहीं करता तो इस बार भी इसी आंकड़े के आसपास सिमट कर रह जाते। कहा कि सपा से अति पिछड़े और सामान्य वर्ग के वोटर कट गए हैं। पिछले 20 साल से तवज्जो नहीं मिलने से ये दूर हो गए। आज की सपा मुलायम सिंह यादव वाली नहीं है। इसमें काफी बदलाव आ गया है। अखिलेश यादव लगातार पार्टी को मजबूती देने में लगे हैं।

मेरी चिट्ठी के कारण हुई क्रॉस वोटिंग

प्रसपा मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मेरी चिट्ठी के असर के चलते सपा में क्रॉस वोटिंग हुई। गौरतलब है कि नेताजी के बारे में यशवंत सिन्हा के एक पुराने बयान को लेकर शिवपाल ने सपा विधायकों से अपील की थी। शिवपाल ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू से समय लेकर मिलूंगा। गौरतलब है कि शिवपाल सिंह यादव ने कहा था कि विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नेताजी मुलायम सिंह यादव पर आरोप लगाया था कि वह आईएसआई के एजेंट हैं। हम उन्हें कभी भी समर्थन नहीं कर सकते। सपा के कट्टर नेता, नेताजी के सिद्धांतों का पालन करने वाले ऐसे आरोप लगाने वाले उम्मीदवार का कभी समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने अखिलेश यादव को भी अपने फैसले पर विचार करने के लिए कहा था जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने हमेशा ही नेताजी को अपमानित किया है।

अब नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी सरकार

तैयार किया प्लान

भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी हुए सक्रिय

साल के अंत में नगर निकायों के चुनाव होने की संभावना

» पुराने नियमों में किया बदलाव, आबादी के हिसाब से बढ़ाए जाएंगे वार्ड

गीताश्री

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा की नजर अब इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव पर टिक गयी है। प्रदेश सरकार ने अब शहरों में साढ़े सात लाख तक की आबादी पर 70 वार्डों के गठन का निर्णय लिया है। पहले नौ लाख तक की आबादी पर नगरीय निकायों में 70 वार्ड बनाए जाते थे। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने इसके आदेश जारी कर दिए। वहीं सरकार के आदेश के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को भी सक्रिय कर दिया गया है।

कई नगरीय निकायों को सीमा विस्तार के बाद बढ़ी हुई आबादी के हिसाब से वार्डों के गठन में दिक्कत हो रही थी। ऐसे में नगरीय निकाय अपने यहां वार्डों की संख्या बढ़ाना चाहते थे इसलिए सरकार ने वार्डों के गठन के पुराने नियमों में बदलाव कर दिया है। नए नियमों के अनुसार जिन नगरीय निकायों में छह से साढ़े सात लाख तक की आबादी होगी वहां 70 वार्ड बनाए जाएंगे। साढ़े सात लाख से नौ लाख की आबादी वाले नगरीय निकायों में 80 वार्ड बनेंगे। इसी प्रकार नौ लाख से 12 लाख की आबादी वाले नगरीय निकायों में 90 वार्ड, 12 लाख से 15 लाख तक की आबादी वाले निकायों में 95 वार्ड बनाए जाएंगे। 15 से 18 लाख तक की आबादी वाले नगरीय निकायों में 100 वार्ड और 18 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरीय निकायों में 110 वार्ड बनाए जाएंगे। वहीं भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी वार्डों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अभी से सक्रिय हो गए हैं। वे स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क कर संवाद स्थापित कर रहे हैं।

इन वार्डों का होगा निर्धारण

प्रदेश के 55 जिलों के 153 नगरीय निकायों में वार्डों का निर्धारण एवं परिसीमन होना है। यह नगरीय निकाय या तो नए बने हैं या जिनका सीमा विस्तार हुआ है। यह नगरीय निकाय लखनऊ, जालौन, ललितपुर, कुशीनगर, महराजगंज, बस्ती, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, बदायूं, संतकबीरनगर, बांदा, कन्नौज, बागपत, चित्रकूट, बहराइच, अयोध्या, फर्रूखाबाद, मुरादाबाद, बिजनौर, भदोही, सोनभद्र, बुलंदशहर, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, वाराणसी, जौनपुर, बलिया, अमेठी, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, गोरखपुर, रायबरेली, सीतापुर, पीलीभीत, देवरिया, कानपुर देहात, रामपुर, अमरोहा, महोबा, फतेहपुर, सहारनपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, मऊ, आजमगढ़, एटा, हाथरस, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, मथुरा व अलीगढ़ जिले के हैं।

आपत्तियों का होगा निस्तारण

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि वार्डों के निर्धारण और परिसीमन में जिलाधिकारी ही आपत्तियों का निस्तारण करेंगे। अनंतिम सूचना प्रकाशित किए जाने के बाद आपत्तियां प्राप्त करने के लिए सात दिन दिए जाएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भूख से मौत पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता के मायने

देश में भूख से होने वाली मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून होने के बावजूद लोग भूख से मर रहे हैं। हमारा मकसद है कि देश में भूख से एक भी मौत न हो। इस संदर्भ में कोर्ट ने राज्य सरकारों को सभी प्रवासी कामगारों को रियायती अनाज के लिए राशन कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

देश में भूख से होने वाली मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून होने के बावजूद लोग भूख से मर रहे हैं। हमारा मकसद है कि देश में भूख से एक भी मौत न हो। इस संदर्भ में कोर्ट ने राज्य सरकारों को सभी प्रवासी कामगारों को रियायती अनाज के लिए राशन कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सवाल यह है कि देश में भूख से लोगों की मौत क्यों हो रही है? भुखमरी पर लगाम लगाने में सरकार नाकाम क्यों है? खाद्य सुरक्षा कानून को सही ढंग से जमीन पर क्यों नहीं उतारा जा सका है? भुखमरी के वैश्विक सूचकांक में भारत की हालत अपने पड़ोसियों से बदतर क्यों है? खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता के बावजूद लोगों को भरपेट भोजन क्यों नहीं मिल पा रहा है? हर साल हजारों बच्चे भूख से क्यों मर जाते हैं? क्या जनता के जीवन की सुरक्षा और उनको पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरी व्यवस्था को चौपट कर दिया है?

देश की सर्वोच्च अदालत के सामने 18 जनवरी, 2022 को जब भारत सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा था कि भारत में एक भी मौत भुखमरी से नहीं हुई है तो मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन के साथ पीठ में शामिल जस्टिस एस बोपन्ना और जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा था कि क्या हम इस पर यकीन कर लें ? साथ ही कोर्ट ने सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से भुखमरी व कुपोषण से मौत के आंकड़े देने का आदेश दिया था लेकिन आज भी भूख से होने वाली मौतों का सही रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। वहीं यह भी सच है कि देश में हर साल भुखमरी से हजारों लोग मर जाते हैं। नेशनल हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 19 करोड़ लोग हर रात खाली पेट सोने को मजबूर हैं और पांच साल से कम उम्र के लगभग चार हजार से अधिक बच्चों की मौत भूख और कुपोषण से होती है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 के मुताबिक भारत इस मामले में 101वें स्थान पर है जबकि 2020 में 94वें स्थान पर था। यह स्थिति तब है जब देश में खाद्य सुरक्षा कानून लागू है और इसके तहत रियायती अनाज गरीबों को वितरित किया जाता है। वहीं बच्चों के लिए मिड-डे-मील की व्यवस्था है। साफ है भ्रष्टाचार के कारण सभी गरीबों तक अनाज नहीं पहुंच रहा है। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लिया है तो केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे कोर्ट के आदेश के मुताबिक इसका पारदर्शी ढांचा तैयार करें ताकि जरूरतमंदों तक अनाज पहुंच सके और देश में एक भी मौत भुखमरी से न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आदिवासी चेतना के प्रति सम्मान

अशोक भगत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा संताल समुदाय की आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना एक अभूतपूर्व निर्णय है, जो भारतीय राजनीति में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। वर्ष 1857 के सैनिक विद्रोह से पूर्व 1855 में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध स्वत:स्फूर्त संताल विद्रोह हुआ था, जिसका नेतृत्व सिदो-कान्हू, चांद-भैरो तथा फूलो-झानो ने किया था। ये नेतृत्वकर्ता जनजातीय समूह के संताल समुदाय का प्रतिनिधित्व करते थे। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाकर एनडीए ने अपनी प्रतिबद्धता को नया आयाम दिया है और यह चुनाव में उन्हें मिले अभूतपूर्व समर्थन में भी दिखा है। यह प्रतिनिधित्व सही मायने में झारखंड, बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में बसे संताल समुदाय की राजनीतिक चेतना के प्रति सम्मान के रूप में भी देखा जा सकता है। दलित, वंचित एवं शोषित समुदाय को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन करने की इस पहल की सराहना भी हो रही है।

इस उम्मीदवारी से यह मतलब नहीं कि आदिवासी समाज का रातो-रात कायाकल्प हो जायेगा लेकिन इतना तो तय है कि भारत दुनिया के सामने यह कह सकेगा कि उसने सत्ता की भागीदारी में उस वर्ग को भी हिस्सेदारी दी है, जिसे श्वेत और अभिजात्य माने जाने वाले समाज व राष्ट्र हीन भावना से देखते रहे हैं। अमेरिका अपने को दुनिया का सबसे प्रगतिशील राष्ट्र तथा लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक बताता है, लेकिन आये दिन जब वहां की श्वेत अभिजात्य वर्चस्व वाली पुलिस किसी अश्वेत पर नाहक व गैरकानूनी तरीके से गोलियां चलाती है। कैथोलिक चर्च का दुनियाभर में बोलबाला है, लेकिन आज भी उसके मुख्यालय वेटिकन पर श्वेतों का कब्जा है। इस्लाम में कहा गया है कि कि कुरैशियों व अफ्रीकियों में कोई भेद नहीं है, लेकिन वहां आज भी कुरैशियों की बादशाहत कायम है।

भारत में भी शताब्दियों से आदिवासी समाज वंचित रहा है। सल्तनत काल से अंग्रेजी शासन तक इस समाज को कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ा। स्वतंत्र भारत में भी इसका सांस्कृतिक और साहित्यिक शोषण तक किया गया लेकिन भारतीय पुनर्जागरण के तीसरे चरण में अब इनके महत्व को समझा जाने लगा है.

भारत में लगभग 700 से अधिक छोटे-बड़े आदिवासी समूह हैं। माना जाता है कि आदिवासी ही भारत के मूल निवासी हैं। हालांकि इस पर विद्वान एकमत नहीं है, लेकिन यह तो है ही कि आदिवासियों की जो धार्मिक मान्यता है, वही भारत की मूल अवधारणा है। आदिवासी समुदाय के लोग ज्यादातर पहाड़ी इलाकों या जंगलों में वास करते हैं। ब्रिटिश भारत में 1871 से लेकर 1941 तक हुई जनगणनाओं में आदिवासियों की अन्य धर्मों में गिनती की गयी थी। आजाद भारत में 1951 की जनगणना के बाद से आदिवासियों को अलग धर्म में गिनना बंद कर दिया गया। 1951 की जनगणना के अनुसार आदिवासियों की संख्या 1,91,11,498 थी जो 2001 में 8,43,26,240 हो गयी। तब आदिवासी समाज देश की जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत था। आदिवासियों की संस्कृति की दृष्टि से उनके चार प्रमुख वर्ग हैं- परसंस्कृति प्रभावहीन समूह, परसंस्कृतियों द्वारा अल्प प्रभावित समूह, परसंस्कृति द्वारा प्रभावित किंतु स्वतंत्र सांस्कृतिक अस्तित्व वाले समूह तथा वे आदिवासी समूह, जिन्होंने परसंस्कृतियों का स्वीकरण इस मात्रा में कर लिया है कि अब वे केवल नाम के आदिवासी हैं।

आदिवासियों का प्रकृति से गहरा संबंध है जो उन्हें एक अलग दृष्टिकोण देता है। वर्तमान में प्रकृति पूजक आदिवासी मौजूदा शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं क्योंकि विकास योजनाएं और नीतियां आदिवासियों के मूल स्वभाव तथा अस्मिता के विपरीत बनाये जाते रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों में अन्य सामाजिक व आर्थिक पक्षों की भांति शिक्षा की कमी गंभीर समस्या है। 1950 के पूर्व आदिवासियों को शिक्षित करने हेतु भारत सरकार के पास कोई प्रत्यक्ष योजना नहीं थी लेकिन स्वतंत्रता के बाद विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों द्वारा उनकी शिक्षा में प्रगति तो हुई है, लेकिन राजनीतिक और धार्मिक संवेदना का उद्गार आज भी देखने को नहीं मिलता है। साक्षरता में वृद्धि के बावजूद आज भी कई दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी शिक्षा से वंचित हैं। संविधान में आदिवासी समाज को विशेष दर्जा उनकी पहचान, संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपराओं को बनाये रखने तथा उनके संरक्षण के लिए दिया गया है। आदिवासियों के लिए संविधान में 5वीं अनुसूची है क्योंकि आदिवासी इलाके आजादी के पहले से ही कई मामलों में स्वतंत्र थे। द्रौपदी मुर्मू का भारत के प्रथम नागरिक के रूप में चुना जाना झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल एवं समस्त भारत के आदिवासी समाज में राजनीतिक क्रांति का सूत्रपात है। यह भारत की एकात्म परंपरा को न केवल शक्ति प्रदान करेगा, अपितु यह समाज सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रहरी के रूप में उठ खड़ा होगा।

विचाराधीन कैदी और लोकतंत्र

जगदीश रत्नानी

भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना और सर्वोच्च न्यायालय ने जेलों में पड़े विचाराधीन कैदियों की ओर देश का ध्यान खींचा है तथा एक ऐसे मुद्दे को सामने रखा है, जिससे हमारा लोकतंत्र कमजोर होता है, आम नागरिकों की आजादी छिनती है और अधिकतर जांचों में जमानत देने की जगह जेल भेजना कायदा बनता जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने एक संबोधन में रेखांकित किया कि देश में जेलों में बंद 6.10 लाख नागरिकों में लगभग 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं। न्याय व्यवस्था में प्रक्रिया ही दंड बन गयी है। मनमाने ढंग से गिरफ्तारियों से लेकर जमानत मिलने में मुश्किलों तक की इस प्रक्रिया में लंबे समय तक जेलों में बंद लोगों के इस मामले पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए। कैदी ब्लैक बॉक्स की तरह हैं। वे ऐसे नागरिक हैं, जिन्हें अक्सर अनदेखा और अनसुना कर दिया जाता है। प्रधान न्यायाधीश ने ऐसे मुद्दे को उठाया है, जिस पर शायद ही कभी चर्चा होती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई हाल में आयी अस्थायी गिरावट नहीं है, बल्कि भारतीय व्यवस्था की स्थायी विशेषता बन चुकी है। सजा दिलाने के लिए लंबी जांच की बजाय तुरंत हिरासत में लेने के रवैये से भी न्यायिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है क्योंकि जमानत की अर्जियों की तादाद बहुत अधिक है। चूंकि हिरासत में लेना आम बात है तो अग्रिम जमानत के लिए भी बहुत सारे लोग अदालत पहुंचते हैं। इनसे बड़ी अदालतों में बोझ बढ़ता जाता है। इन सबसे ऐसी व्यवस्थागत समस्या पैदा हो गयी है, जिसका समाधान जजों की संख्या बढ़ाकर नहीं किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हमारे यहां अभियुक्तों को सजा देने की दर बहुत ही कम है। ऐसे में ठोस जांच दरकिनार कर दी जाती है और मुकदमे से पहले लंबे समय तक जेल में रखना ही सजा बना दिया जाता है। इससे न्याय व्यवस्था का आधारभूत सिद्धांत, जिसमें दोष सिद्ध होने तक अभियुक्त को निर्दोष माना जाता है, ही खारिज हो जाता है।

इस माह की 11 तारीख को अपने 85 पन्ने के आदेश में न्यायाधीश एसके कौल और एमएम सुंदरेश ने समस्या के व्यवस्थागत प्रकृति की ओर संकेत किया है-अदालतें सोचती हैं कि चूंकि सजा होने की संभावना बहुत ही कम है तो जमानत की अर्जियों पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। हम जमानत पर विचार करते हुए बहुत सी बातों को नहीं जोड़ सकते क्योंकि उसका दंड से लेना-देना नहीं है अगर कोई लंबे समय तक जेल में रहने के बाद बरी हो जाता है तो वह बेहद गंभीर अन्याय है। कामकाज का कोई लेना-देना राजनीति या नेताओं या एजेंडे से नहीं होता। व्यवस्था का हर जगह होना उसका संत्रास है। वह हवा व पानी में घुल-मिल जाता है तथा बहुत से लोगों को जेल में डालकर उनमें से कुछ सबसे कमजोर नागरिकों को भूल जाता है। इससे कैसे व्यवस्था की रीढ़ टूटती है, हम उसे आसानी से या ठीक से नहीं समझते। एक तो यह बिना मुकदमे के सजा दे देता है, जिसके लिए सबूतों का संज्ञान लिया जाना चाहिए और हर तरह से परखने के बाद ही अभियुक्त को दोषी ठहराना चाहिए। राज्य ने एकदम बुनियादी स्तर पर और रोजमर्रा के काम में ऐसा कर न्यायिक व्यवस्था को खत्म भले न किया हो पर उसे अप्रासंगिक जरूर कर दिया है। इतना ही नहीं, यह सब न्यायपालिका के सहयोग से ही हुआ है, जहां लगातार हिरासत में रखने के फैसले दिये जाते हैं और जमानत पाना मुश्किल होता है क्योंकि मामले के बारे में अक्सर न तो ठीक से विचार किया जाता है और कई बार तो उसके बारे में पूछा भी नहीं जाता अगर हिरासत में रखने की अनुमति चलन बन जाए, तो पुलिस जजों को लेकर निश्चिंत हो जाती है और इसका सीधा व तुरंत असर जांच की गुणवत्ता पर पड़ता है। न्यायाधीश कौल और सुंदरेश ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2014 में दिये गये एक निर्णय को उद्धृत करते हुए लिखा कि हमारे इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पुलिसकर्मी अभियुक्त को अनावश्यक रूप से गिरफ्तार नहीं करें और मजिस्ट्रेट लापरवाही से एवं यांत्रिक तौर से उसे पुलिस हिरासत में रखने का आदेश न पारित करें। वे आगे लिखते हैं, हिरासत में रखने का आदेश देने का अधिकार एक गंभीर दायित्व है। इससे नागरिकों की स्वतंत्रता पर असर पड़ता है तथा इस अधिकार का प्रयोग बहुत सावधानी एवं सतर्कता से किया जाना चाहिए। हमारा अनुभव हमें बताता है कि इस अधिकार का प्रयोग उस गंभीरता से नहीं किया जा रहा है, जैसा होना चाहिए। बहुत सारे मामलों में हिरासत में रखने का आदेश नियमित, लापरवाही भरा और बिना सोचे-समझे दिया जाता है। इससे जांच के शुरुआती चरण में ही मामला भटक जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने अब औपचारिक रूप से केंद्र सरकार से जमानत पर कानून बनाने को कहा है। न्यायाधीश कौल और सुंदरेश ने रेखांकित किया है, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह ब्रिटेन जैसे अन्य देशों में बने कानूनों की तरह जमानत देने के बारे में विशेष कानून लाने पर विचार करे। यह एक उल्लेखनीय पहल होगी। बड़ी समस्या औपनिवेशिक मानसिकता की है जो अभी भी भारतीय नौकरशाही पर हावी है। इसके साथ ही अच्छा करने वाले लोगों के सहयोग के लिए निवेश की कमी तथा व्यवस्था के साथ हेर-फेर करने वालों को सजा देने का अभाव जैसी समस्याएं भी हैं। यहां पर अदालतों को हस्तक्षेप करना चाहिए. शुरू से ही मामलों की निगरानी होनी चाहिए और जांच एजेंसियों की मांग की समीक्षा होनी चाहिए। इससे हमारी जांच व्यवस्था की कई खामियां दूर हो सकेंगी।

शिवजी को चढ़ाए जाने वाले आक के पत्ते में छिपे हैं औषधीय गुण

सावन का माह शुरू हो चुका है। शिव भक्त अपने आराध्य प्रभु को प्रसन्न करने के लिए कई तरह की चीजें चढ़ाते हैं। भगवान शिव को भांग, बेलपत्र, धतूरे के अलावा आक के फूल भी चढ़ाए जाते हैं। आयुर्वेद में आक के पत्तों और फूलों को औषधि के तौर पर बताया गया है। अगर सीमित मात्रा में उपयोग किया जाए तो औषधी के रूप में कार्य करता है और शरीर को गर्म रखता है। आक के पेड़ को आकड़ा या मदार के पेड़ के रूप में भी जाना जाता है। इसके अधिकांश भाग- पत्ते, फूल, जड़ें और बीज, का उपयोग हर्बल या आयुर्वेदिक दवाओं में किया जाता है। इसे खाने की भी जरुरत नहीं पती। आइए जानते हैं इसके फायदे।

जोड़ों के दर्द को करें दूर

इसकी पत्तियों के तेल का उपयोग मांसपेशियों या जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए किया जाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर पोस्ट किए गए कैलोट्रोपिस गिगेंटिया (आक के पत्तों का वैज्ञानिक नाम) पर एक अध्ययन से पता चलता है कि आक के पत्तों में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों में सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

दांत का दर्द करें दूर

आक के दूध को छाले वाले स्थान पर लगा दें। इससे आपको तुरंत राहत मिलेगी। कई लोग इसके दूध को दांत दर्द से छुटकारा पाने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं। दांत दर्द से राहत पाने के लिए इसके दूध को मसूड़े पर लगा लें। दर्द थोड़ी देर में गायब हो जाएगा।

डायबिटीज में ट्राय करें

ये नुस्खा आक के पत्तों को रात को सोने से एक घंटे पहले पैरों के नीचे यानी तलवे पर रख दें और मौजा पहन लें। सोने से तुरंत पहले मौजा और आक के पत्तों दोनों को निकाल कर सोए। यह तरीका शुगर कंट्रोल करने के लिए सहायक माना जाता है। आप चाहें तो इसे घर में ट्राई कर के देख सकती हैं।

पैर के छालों को दूर करें

अगर आपके पैरों पर ज्यादा चलने से छाले हो गए हैं तो उन पर आक के पौधे का दूध लगाएं। इससे छाले जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

बवासीर में लाभदायक

बवासीर से परेशान लोगों के लिए भी आक का इस्तेमाल करना काफी लाभदायक हो सकता है। इसके लिए आक के पत्तों का दूध बवासीर पर लगा दें इससे आपको आराम मिलेगा। इसके अलावा एक नुस्खा ये भी है, आक के पत्तों को पीसकर बवासीर के घाव पर लगाने से दर्द में आराम मिलता है और साथ ही घाव जल्दी भरने लगता है।

हंसना मना है

पति शाम को बहुत उदास होकर घर लौटा। पत्नी- क्या हुआ जी...? पति- आज हमारे ऑफिस की बिल्डिंग गिर गई और सारे लोग मर गए। पत्नी- तो आप कैसे बचे...? पति- मैं सिगरेट पीने बाहर गया हुआ था । पत्नी- चलो शुक्र है भगवान का। थोड़ी देर में ही टीवी पर खबर आने लगी कि सरकार ने सभी मृतकों के परिवार वालों को 1-1 करोड़ रुपये देने का फैसला किया है। पत्नी गुस्से में: ना जाने तुम्हारी ये सिगरेट की आदत कब छूटेगी।

मरीज- मुझे बीमारी है कि खाने के बाद भूख नहीं लगती, सोने के बाद नींद नहीं आती काम करूं तो थक जाता हूं। डॉक्टर- बहुत गंभीर बीमारी है, एक काम करो, सारी रात धूप में बैठो जल्दी ठीक हो जाओगे।

एक बार सोनू ट्रेन में सफर कर रहा था। ट्रेन में बहुत भीड़ होने की वजह से वो एक गंजे आदमी के गोद में बैठ गया। आदमी (गुस्से में)- हां, हां! मेरे सिर पर आकर बैठा जा। सोनू - नहीं, अंकल मैं यहीं ठीक हूं, वहां से फिसल कर गिरने का डर है।

टीचर बच्चों का ग्रुप फोटो दिखाकर बोली- जब तुम बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे, ये रहा गोलू जो अमेरिका चला गया, ये रहा सोनू जो लंदन चला गया और ये रहा संता जो यहीं का यहीं रह गया। ये बात सुनकर संता बोला- और ये रही हमारी मैडम जिनका देहांत हो गया।

कहानी — उजाले की ओर

दीपावली की सुबह अनीता अपने जमा किए हुए पैसों को छिपा कर गिन रही थी। उसके पास चौदह सौ रुपए जमा हो चुके थे। अपने पास इतने रुपए देखकर उस की आंखें चमक उठी। उसके सामने रंग बिरंगे अनार, इंद्रधनुषी फुलझड़ियां और आसमान में बिखरती हवाइयां झिलमिलाने लगी। तभी साथ वाले कमरे में उसे छोटू का जिद भरा स्वर सुनाई पड़ा। वह मां से कह रहा था कि मुझे पूरे पांच सौ रुपए चाहिए। दो सौ रुपए का तो एक ही पैकेट आता है। मां कह रही थी, दोपहर तक तेरे पापा आ जाएंगे। वह बाजार से बहुत सी आतिशबाजी लेते आएंगे। नहीं, मैं अपने लिए खुद खरीदूंगा, छोटू अड़ गया था। मां ने हार कर उसे पांच सौ रुपए दे दिए। अनीता जब रसोई में गई तो माँ ने उसे के हाथ में दो सौ रुपए पकड़ा कर कहा, यह ले अनीता, तू भी अपने लिए कुछ खरीद लेना। मेरे पास यही दो सौ रुपए बचे थे। अनीता पहले तो यह सोचने लगी कि मेरे हिस्से में दो सौ रुपए ही आए, जबकि छोटू को पांच सौ रुपए मिल गए लेकिन फिर उस ने सोचा, चलो, वह मुझ से छोटा है। जिद कर के पांच सौ रुपए ले लिए, फिर भी मेरे पास अब पूरे सोलह सौ रुपए हो गए। माँ के पास तो रुपए समाप्त हो गए हैं, पाप आएंगे तब शायद कुछ रुपए मिल जाएं। तभी मोबाइल बज उठा। मोबाइल पर बात करते हुए उन के चेहरे पर परेशानी झलक रही थी। क्या बात है माँ? नीता ने पूछा। मां ने जवाब दिया तुम्हारे पापा का फोन था, वह किसी कारण वश आज नहीं आएंगे। अनीता का मन भी इस खबर से मुरझा गया। तब तो दिवाली का मजा नहीं आएगा, उसने सोचा मां के पास पैसे भी नहीं बचे हैं, मिठाई और दिए कहाँ से आएंगे? छोटू आँगन में था। वह हवाई उड़ाने के लिए खाली बोतल जमीन में छिपा रहा था। अनीता ने उस के पास जाकर सब कुछ बताया और पूछा, अब क्या करें ? छोटू को यह प्रश्न बहुत अटपटा लगा। वह अपने खेल में व्यस्त रहा। मां बाहर आ कर बोली कहीं जाना मत। मैं तुम्हारी चाची के यहां जा रही हूं। अनीता के नन्हे मस्तिष्क को यह समझते देर नहीं लगी कि मां रुपए उधार लेने जा रही हैं। वह सोचने लगी, आंटी ने रुपए नहीं दिए तो मां कहां-कहां मांगती फिरेंगी? मां चली गई तो उस ने छोटू से कहा, मैंने चौदह सौ रुपए जमा किए हैं, दो सौ रुपए मां ने दिए और तुम्हारे पास पांच सौ रुपए हैं। सब मिलाकर इक्कीस सौ रुपए हो जाएंगे। हम अपने लिए पांच सौ रुपए की आतिशबाजी और मोमबत्तियां खरीदेंगे। मिठाई घर पर बनाएंगे। उस के लिए समान बाकी रुपयों से खरीद लेंगे, बोलो, मंजूर है? छोटू चिंता में पड़ गया। अनीता ने जल्दी से कहा, मां अभी रास्ते में होंगी। वह रुपए उधार लेने गई है। छोटू अभी फैसला कर ही रहा था कि उसे सामने वाले घर से अपने सहपाठी किशन की आवाज सुनाई दी, छोटू, चलो, हम पटाखे लेले जा रहे हैं। रुपए लेकर आ जाओ। छोटू का हाथ जेब में पड़े पांच सौ के नोट तक चला गया, जिससे वह सिर्फ अपने लिए आतिशबाजी खरीदना चाहता था। उस ने सामने खड़े किशन को देखा, फिर बहन के बड़े हुए हाथ को देखकर अनायास ही अपना हाथ बहन को पकड़ा दिया। दोनों उस रास्ते पर चले दिए, जिस पर अभी-अभी मां गई थी।

सीख : इस कहानी से हमे ये सीख मिलती है कि छोटी-छोटी बचत ही समय पर बहुत काम आती है।

7 अंतर खोजें

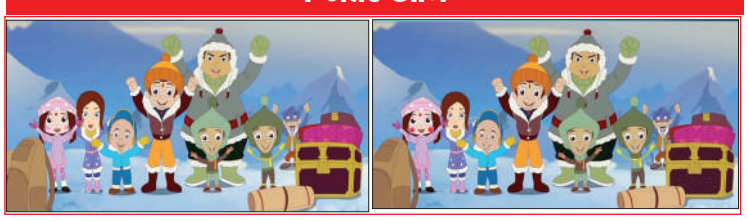

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

समय शुभ है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए नवीन अवसर प्राप्ति के लिए उत्कृष्ट समय है। नए परिचित अथवा नवीन सौदे चिंता का कारण बन सकते हैं।

वृषभ

आज ऑफिस में आपकी प्रगति का दिन है। आपका कोई काम बॉस को बहुत पसंद आ सकता है। ऑफिस में आपके इंक्रीमेंट की बात हो सकती है, जिससे आपको काफी खुशी होगी।

मिथुन

परिवार से सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें। उन्नति के रास्ते खुलेंगे। बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं। घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं।

कर्क

पारिवारिक जीवन में भी भाई बहनों से विवाद के कारण अस्थिरता हो सकती है। प्रेम सम्बन्ध यथावत रहेंगे। समर्पित परिश्रम से यदि आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं।

सिंह

दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। अपने काम की अहमियत को समझने की जरूरत है। आज पहले उसी काम को पूरा करें, जो ज्यादा जरूरी है। काम को पूरा करने में चुनौतियां आ सकती हैं।

कन्या

बिजनेस के फैसले भावनाओं में आकर न लें। विवादों का सामना करना पड़ सकता है। कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। परिवार की समस्याएं बनी रहेंगी। मानसिक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

तुला

दिन काफी विवादास्पद साबित हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठों की उपेक्षा का सामना करना पड़ेगा और आपके सहयोगी आपकी कमजोरियों को भुनाने और खेल बिगाड़ने का काम करेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा। करियर में सब कुछ अच्छा रहेगा। अगर आपने कोई ब्यूटी सैलून खोल रखा है, तो आपका काम बढ़िया रहेगा।

धनु

नौकरी में पदोन्नति की संभावना बन रही है। खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा। बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी। फालतू भाग-दौड़ खत्म हो सकती है।

मकर

आपको नौकरी या काम-काज से जुड़े कई नए विकल्प मिल सकते हैं। व्यापारिक सन्दर्भ में आप कार्य विस्तार योजनायों को अमली जामा पहनाने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे।

कुम्भ

रिश्तों को अधिक महत्व देंगे। परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। आपको सबका साथ मिलेगा। आपका काम समय पर पूरा होगा। अगर आप किसी मिष्ठान भंडार से जुड़ा काम करते हैं, तो आपका काम अच्छा चलेगा।

मीन

आज आप अपनी वाणी पर संयम रखें। अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। कुछ छोटे कामों में परेशानियां रहेंगी। इनकम के अनुसार ही खर्चा करें तो अच्छा रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

पैसे न होने के कारण चुना एक्टिंग करियर : सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु गुरुवार रात कॉफी विद करण के सीजन 7 के एपिसोड में अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं। शो पर एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो एक्टिंग में इसलिए आईं, क्योंकि सामंथा की फैमिली के पास उनकी हायर एजुकेशन के लिए पैसे नहीं थे। साथ ही सामंथा ने बताया कि उनके पिता ने उन्हें पैसे देने से मना कर दिया था। करण ने जब सामंथा से पूछा कि क्या एक्टिंग में आना उनका सपना था। जिस पर एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। दरअसल मेरे पास कोई चॉइस नहीं थी क्योंकि घर पर कुछ सही नहीं चल रहा था। हमारे पास आगे की प?ाई करने के लिए पैसे नहीं थे। जब मेरे पिता ने कहा कि मैं तुम्हारे फीस नहीं भर सकता, उसी वजह से मेरी लाइफ पूरी तरह बदल गई। जब अक्षय कुमार ने कहा कि मेल एक्टर्स को मल्टी स्टारर फिल्म करने में इनसिक्योरिटी फील होती है। इस पर सामंथा ने कहा कि फीमेल एक्टर्स के साथ ऐसा कुछ नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा, आपको लगता होगा कि फीमेल एक्टर्स के साथ भी यही दिक्कत होगी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने हाल ही में नयनतारा के साथ एक फिल्म की है और उनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस बहुत अच्छा रहा। सामंथा ने आगे कहा, शूट के आखिरी दिन हम दोनों ने एक-दूसरे को हग किया और दोनों की आंखों में आंसू थे। हम दोनों ने साथ काम करते हुए बहुत अच्छा टाइम स्पेंड किया है। नयनतारा और सामंथा 2022 में आई फिल्म काथुवकालु में साथ नजर आई थीं। इस फिल्म में विजय सेतुपति भी लीड रोल में थे। सामंथा की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही फिलिप जॉन के साथ अरेंजमेंट्स ऑफ लव में नजर आएंगी।

ट्विंकल को समझाने में अक्षय को लगते हैं दो से तीन घंटे

अक्षय कुमार हाल ही करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 7 में नजर आए। शो में अक्षय साउथ की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु के साथ पहुंचे। अक्षय ने शादीशुदा मर्दों को एक खास सलाह दी और बताया कि उन्हें कई बार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना के पैर भी छूने पड़ जाते हैं। साथ ही उन्होंने यंग एक्ट्रेसेस के साथ रोमांस और ट्रोल होने पर भी बात की। अक्षय ने कहा मैं बस कोशिश करता हूं कि मैं ट्विंकल से कुछ नहीं कहूं। जब भी वो कुछ लिखती हैं, तो मैं उन्हें समझाने की कोशिश करता हूं कि वो लाइन न क्रॉस करें। मैं उनके पैर छूता हूं और हाथ जोड़ कर कहता हूं कि इससे दिक्कत हो जाएगी। मुझे उन्हें समझाने में 2-3 घंटे लग जाते हैं। करण ने अक्षय से आगे पूछा कि क्या ट्विंकल अभी भी वही करती हैं, जो उनके मन में आता है? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वो अब ऐसा पहले से कम करती हैं। इस

बॉलीवुड | मसाला

बारे में बात करते हुए अक्षय ने आगे कहा कि अगर मैं उनकी कॉपी पढ़ता हूं तो हाथ जोड़ते हुए उसे एडिट करता हूं। मैं कुछ ऐसा नहीं कहना चाहता जिस पर मुझे कल पछताना पड़े। करण ने अक्षय से इस बारे में भी पूछा कि आपको अपनी उम्र से ज्यादा छोटी एक्ट्रेसेस के साथ काम करने के लिए भी ट्रोल किया जाता है। तो इस बारे में अक्षय ने कहा ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग मुझसे जलते हैं। मैं यंग एक्ट्रेसेस के साथ काम कर सकता हूं। क्या मैं 55 साल का दिखता हूं? मुझे यह प्रॉब्लम समझ में नहीं आ रही है। अक्षय के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो अपकमिंग फिल्म रक्षा बंधन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर भी हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा उनके पास नुसरत भरूचा और डायना पेंटी के साथ राज मेहता की सेल्फी है। वहीं अक्षय, जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत के साथ अभिषेक शर्मा की फिल्म राम सेतु में भी नजर आएंगे।

शहजादा में अल्लू अर्जुन का कैमियो नहीं : कार्तिक

बीते लंबे समय से ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही थीं कि कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की इस फिल्म में अल्लू अर्जुन का कैमियो होगा, जिसको लेकर फैन्स काफी एक्साइटिड थे लेकिन फैन्स जानकर दुखी होंगे कि ऐसा नहीं होगा। बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत में कार्तिक ने कहा शहजादा में अल्लू अर्जुन का कैमियो नहीं है। फिल्म को अल्लू अर्जुन के पिता अर्जुन अरविंदा प्रोड्यूस कर रहे हैं। बता दें कि फिल्म शहजादा में पहली बार कार्तिक आर्यन, निर्देशक रोहित धवन के साथ काम करते नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक शहजादा, अल्लू अर्जुन की फिल्म अला वैकुंठपुरमलो की हिंदी रीमेक है। ऐसे में जब ये रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि अल्लू और कार्तिक एक साथ नजर आएंगे तो फैन्स काफी एक्साइटिड हो गए थे। फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ ही कृति सेनन अहम भूमिका में नजर आएंगी। साथ ही परेश रावल और रोनित रॉय भी अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। शहजादा के लिए अब दर्शकों को अब पहले से अधिक लंबा इंतजार करना पड़ेगा। क्रिटिक व ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में तरण ने शहजादा की नई रिलीज डेट की जानकारी दी थी। तरण ने अपने ट्वीट में बताया था कि कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म शहजादा 10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी। पहले ये फिल्म 4 नवंबर 2022 को रिलीज होने वाली थी। फिल्म के निर्देशक रोहित धवन हैं। कार्तिक को बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस सेवियर कहा जा रहा है।

अजब-गजब | तीन दिनों के दौरान बकरे को दी जाती हैं कई तरह की सुविधाएं

यहां 3 दिन के लिए बकरे को बनाते हैं राजा सबसे सुंदर लड़की बनती है उसकी रानी

इस दुनिया में बहुत सी अजीबोगरीब परंपराएं हैं। पूरी दुनिया में कई तरह के त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें से कुछ त्योहारों के दौरान बड़ी विचित्र परंपराएं निभाई जाती हैं। ऐसा ही एक अजीबोगरीब त्योहार आयरलैंड में मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान शहर की बागडोर एक बकरे के हाथ में सौंप दी जाती है। दरअसल, त्योहार के दौरान एक बकरे को यहां का राजा बना दिया जाता है। वहीं उसकी रानी बनती है शहर की सबसे खूबसूरत लड़की। जानते हैं आयरलैंड के इस विचित्र त्योहार के बारे में।

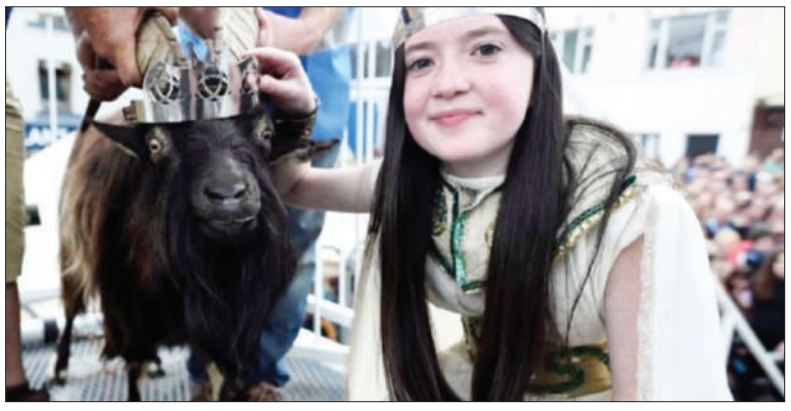

आयरलैंड में हर साल जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त के पहले हफ्ते के बीच यहां एक त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार का नाम प्लक फेयर है। यह त्योहार तीन दिन के लिए मनाया जाता है। त्योहार के दौरान एक बकरे को राजा बनाकर राजगद्दी सौंप दी जाती है। मेले के दौरान उसे बाकायदा मुकुट पहनाया जाता है। इसे गोट परेड के नाम से भी जाना जाता है। इस त्योहार में हिस्सा लेने के लिए हर साल लाखों पर्यटक यहां आते हैं। कहा जाता है कि यह आयरलैंड का सबसे पुराना त्योहार है। त्योहार के लिए पहाड़ से एक जंगली पहाड़ी बकरे को लाया जाता है। इसके बाद उसे किंग पक के तौर पर उपाधि देकर उसका राजतिलक किया जाता है। राजा बनाने के बाद नए महाराज की झांकी निकाली जाती है। इस झांकी में महारानी भी शामिल होती है। महारानी के तौर पर लोकल लड़की को चुना जाता है। जिस बकरे को राजा बनाया जाता है, वह सिर्फ तीन दिन के लिए गद्दी पर बैठता है। इन तीन दिनों के दौरान उसे कई तरह की सुविधाएं दी जाती है। उस महंगे पेड़ की टहनियां खिलाई जाती है। खाने में पत्तागोभी दी जाती है और पानी की सुविधा हमेशा के लिए होती है। तीन दिन बाद मेला खत्म होने पर उसे सत्ता से बेदखल कर वापस पहाड़ियों में भेज दिया जाता है। बताया जाता है कि इस त्योहार को 17वीं शताब्दी से मनाया जा रहा है।

जांच करने पहुंची पुलिस तो एक मच्छर ने उगल दिया खतरनाक अपराधी का राज!

आपने देखा होगा कि अगर किसी जगह अपराध होता है तो पुलिस जांच के समय वहां आस पास की चीजों पर बड़ा ध्यान देती है। उनसे पुलिस मुजरिम का पता लगाने की कोशिश करती है। दिखने में ये चीजें छोटी हो सकती हैं लेकिन कई बार इनसे अपराधी के बारे में बड़ी जानकारी मिल जाती है। लेकिन कभी आपने सुना है कि किसी मच्छर ने अपराधी के बारे में सारा राज उगल दिया हो। जी हां ऐसा चीन में हुआ है, जहां एक मच्छर की वजह से खतरनाक अपराधी पुलिस की पकड़ में आ गया। एक मच्छर ने अपराधी के बारे में बता दिया, जिससे वो पकड़ा गया। चीनी न्यूज वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन के फूजियान प्रांत के फूजो शहर में एक हैरान करने वाली घटना घटी। यहां पुलिसकर्मियों को अपराध करने वाले का पता एक मच्छर के जरिए लगा। दरअसल, यहां के एक रिहायशी इलाके के अपार्टमेंट में चोरी हुई थी। पुलिस उसकी जांच करने पहुंची थी। जिस घर में चोरी हुई थी, वह घर काफी वक्त से बंद था। ऐसे में पुलिस ने अंदाजा लगाया कि चोर बालकनी से ही घर के अंदर घुसा होगा। पुलिस को घर के किचन में उबले अंडे, बची हुई नूडल्स, बिस्तर पर चिमुड़ी हुई कंबल और तकिया मिली। इससे पुलिस को अंदाजा हो गया कि चोर ने यहां पर कुछ वक्त बिताया है और इसके बाद सामान लेकर भागा है। पुलिस जब जगह की बारिकी से जांच की ही जा रही थी तो उन्हें दीवार पर एक मरा हुआ मच्छर चिपका मिला। उसके शरीर से खून की बूंदें भी निकली थीं जो दीवार पर ही लगी रह गई थीं। ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट के अनुसार उस खून से डीएनए टेस्ट किया गया। जांच में सामने आया कि वो डीएनए एक चाय नाम के अपराधी के डीएनए से मैच कर गया। उस अपराधी का काफी पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड था। ऐसे में 19 दिन बाद उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया और उसने कबूल किया कि उस घर के साथ-साथ उसने 3 और घरों में इस बीच चोरी की है।

भाजपा पर भड़के सिसोदिया, कहा झूठे मामलों से रोका नहीं जा सकता आप को

आबकारी नीति की सीबीआई जांच की सिफारिश पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति की सीबीआई जांच से सिफारिश से भड़के दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर हमला बोला है। आम आदमी पार्टी (आप) को देश का भविष्य बताते हुए सिसोदिया ने दावा किया है कि झूठे मामलों से आप के विस्तार को रोका नहीं जा सकता है।

सिसोदिया ने दावा किया कि प्रधानमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री से डरते हैं। प्रधानमंत्री से लोगों का मोहभंग हो गया है। अब केजरीवाल से ही देश को उम्मीद है। आप का प्रभाव बढ़ने के साथ ही आप नेताओं के खिलाफ और केस दर्ज होंगे लेकिन कोई जेल मुख्यमंत्री और आप को नहीं रोक सकती। भविष्य आप का है, भविष्य भारत का है। गौरतलब है कि कोरोना काल में दिल्ली कैबिनेट ने बीते साल 17 नवंबर को नयी आबकारी नीति लागू की थी। इसका फैसला कोरोना में दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने लिया था। इसके तहत 32 मंडलों में विभाजित शहर में 849 ठेकों के लिए बोली लगाने वाली निजी संस्थाओं को रिटेल लाइसेंस दिए गए। कई शराब की दुकानें खुल नहीं पाईं। ऐसे कई ठेके नगर निगम ने सील कर दिए।

'केजरीवाल को सिंगापुर जाने से रोकना दिल्ली का अपमान'

आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सिंगापुर जाने से रोककर दिल्ली वालों का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेश में अपने नाम के नारे लगवा कर डंका बजवाना चाहते हैं जबकि डंका भारत का बजना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशों में हिंदुस्तान की बदनामी हो रही है। पूरा विश्व हम पर हंस रहा है कि एक प्रधानमंत्री एक मुख्यमंत्री को विदेश के निमंत्रण पर जाने से रोक रहे हैं। वह कोई सैरसपाटा करने नहीं जा रहे हैं। पूरे विश्व में प्रधानमंत्री के इस कार्य की वजह से हिंदुस्तान का सिर झुक रहा है।

मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» हाईकोर्ट ने कहा, रिहा हुआ तो सबूतों से करेगा छेड़छाड़

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने बाराबंकी के एम्बुलेंस प्रकरण में मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मुख्तार के खिलाफ जघन्य अपराधों से जुड़े 56 मामलों का इतिहास है और उसका डर ऐसा है कि यदि वह जमानत पर छूटता है तो गवाहों को प्रभावित करेगा और सबूतों से भी छेड़छाड़ करेगा।

यह आदेश जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने मुख्तार की जमानत अर्जी पर दिया। बाराबंकी की कोतवाली पुलिस ने मुख्तार को इस मामले में अभियुक्त बनाया है। अभियोजन के अनुसार उस पर आरोप है कि उसने डॉ. अलका राय को डराकर फर्जी कागजों के आधार पर एक एम्बुलेंस निकलवाई और उसका प्रयोग पंजाब में मोहाली जेल से कोर्ट आने-जाने के लिए किया जाता था।

कर्मचारियों-पेंशनरों को तोहफा सरकार ने बढ़ाया महंगाई भत्ता

» एक जनवरी से प्रभावी होगा आदेश, मिलेगा एरियर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) तीन परसेंट बढ़ाकर 34 परसेंट करने का ऐलान कर दिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी ट्वीट में बताया गया है कि यह वृद्धि एक जनवरी 2022 से ही प्रभावी होगी यानी वेतन और पेंशन दोनों में बैक डेट से छह महीने का एरियर भी मिलेगा। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही राज्य कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। योगी सरकार की इस घोषणा का लाभ यूपी के 16 लाख सरकारी कर्मचारी, शिक्षक और 11.52 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद वित्त विभाग राज्य कर्मचारियों को पहली जनवरी से 34 प्रतिशत की दर से डीए और पेंशनरों को इसी दर से डीआर देने का शासनादेश जल्द जारी करेगा। कर्मचारियों और पेंशनरों को अभी 31 प्रतिशत की दर से डीए व डीआर का भुगतान हो रहा था। बढ़े डीए का लाभ राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण व प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी निकायों के नियमित व पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा जिनकी कुल संख्या लगभग 16 लाख है।

कांवड़ियों को डंपर ने रौंदा, छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। आगरा-अलीगढ़ हाइवे पर सादाबाद के पास शुक्रवार को देर रात हरिद्वार से गंगाजल लेकर जा रहे कांवड़ियों को अनियंत्रित डंपर ने रौंद दिया। इसमें पांच कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो को गंभीर हालत में आगरा रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान एक और कांवड़िए की मौत हो गई। हाथरस डीएम रमेश रंजन ने मृतकों के स्वजनों को एक-एक लाख रुपये मदद देने की घोषणा की है ।

घटना रात ढ़ाई बजे की है। ग्वालियर के कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार से गंगाजल लेकर जा रहा था। सादाबाद से चार किलोमीटर पहले बढ़ार चौराहे के पास पीछे से आ रहे अनियंत्रित डंपर कांवड़ियों को रौंदते हुए चला गया। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। मृतकों में रनवीर, जबर सिंह, नरेश पाल, मनोज और रमेश पाल निवासीगण बांघीखुर्द थाना उटीला जिला ग्वालियर शामिल हैं। विकास और अभिषेक को आगरा उपचार के लिए भेजा गया था। जहां इलाज के दौरान विकास की आगरा में उपचार के दौरान मौत हो गयी। अब मृतकों की संख्या छह हो गई है।

भूजल संरक्षण को निकाली जागरूकता रैली

» वर्षा जल को बचाने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भूजल सप्ताह के तहत लघु सिंचाई विभाग की और से राजधानी लखनऊ में जागरूकता रैली निकाली गयी और लोगों को जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया।

प्रदेश में 16 से 22 जुलाई के बीच चले भूजल सप्ताह के समापन मौके पर लघु सिंचाई विभाग की ओर से राजधानी में रैली निकाली गई। जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण, विकास भवन की मौजूदगी में सहायक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग के नेतृत्व में समस्त विकास खंडों के अवर अभियंता, बोरिंग टेक्नीशियन, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन एवं कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने विकास भवन से लेखराज मेट्रो स्टेशन तक रैली निकाली। इस दौरान लोगों को अधिकारियों और कर्मचारियों ने जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जागरूक किया। साथ ही जल के महत्व को बताया। इस मौके पर अधिकारियों ने लोगों से वर्षा जल को संरक्षित करने की अपील भी की।

प्रदेश में प्रायोजित ढंग से लीक कराए जा रहे लेटर!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वास्थ्य और पीडब्ल्यूडी के बाद अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों की तैनाती में बड़ा खेल सामने आया है। अधिकारियों की मनमानी का आलम यह है कि बिना पद के ही राजीव त्यागी को महाप्रबंधक बना दिया गया। खुद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने इस तैनाती में हुई अनियमितता पर सवाल उठाया है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि किसके इशारे पर यूपी के मंत्रियों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने की होड़ लगी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, उमाशंकर दुबे, सुशील दुबे और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सुशील दुबे ने कहा कि पिछले कोरोना काल में जो पत्र लीक हुआ था, वह बृजेश पाठक का था जो पहुंचने से पहले लीक हो गया। चिट्ठी तो बाबू जी के हाथ ही भेजेंगे। गनर, चपरासी, बाबू ये सब माध्यम हैं चिट्ठियां लीक होने का मगर आजकल जमाना व्हाटसअप का भी है। अखबारों तक कैसे जाती है चिट्ठियां। नोएडा की मिट्टी में कुछ ऐसा है जो छू लेता है वो नौकर भी मालिक बन जाता है। बाबू बिल्डर्स बन जाता है। त्यागी जी बिना योग्यता के बन गए तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं।

अजय शुक्ला ने कहा किसी को भी यदि भ्रष्टाचार से तकलीफ होती है तो यूपी के किसी भी विभाग में बगैर पैसा दिए काम करा सकता है। जितिन प्रसाद के पिता का उदाहरण दिया, कहा तब सिफारिश होती थी कि गलती हो गई, इसे क्षमा कर दीजिए। आज स्थिति क्या है, जिससे सिफारिश करवाने जाएंगे तो ईर्द-गिर्द बैठे लोग घेर लेंगे, कहेंगे किनारे आओ काम करा देंगे तो वहां तक बात ही नहीं पहुंचती। फाइलों के लिए दौड़ना आम बात है। ट्रांसफर-पोस्टिंग पर अब परिस्थितियां बदल गईं। अब ये जो विवाद उठ रहे हैं, अभी लड़ाई लंबी चलेगी। पहले कभी गलत काम कराने के लिए पैसे देते थे, अब आज सही काम कराने के लिए पैसे देते है, फर्क बस इतना है।

उमाशंकर दुबे ने कहा, पत्र प्लान्ड-वे में लीक होता है। पाठक जी का पत्र भी लीक हो गया था। बता दूं कि कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्यमंत्री की स्थिति वहीं होती है, जैसे एक संपादक के अधीन ब्यूरोचीफ की, रिपोर्टर की। अभी योगी आदित्यनाथ की एक छवि है, हठी प्रवृत्ति के हैं। 24 में अगर केंद्र में नहीं गए तो वे यूपी के मुख्यमंत्री ही रहेंगे, पूरे पांच साल पूरे करेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष के पति की दबंगई महिला की जमीन पर किया जबरन कब्जा

» अयोध्या का मामला, बैनामे में चौहद्दी बदलकर विधवा की जमीन हड़पने की कोशिश

» राजस्व कर्मियों और पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाकर काम कराने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संगठन की कार्यशालाओं में अपने नेताओं को अपराध के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति का पाठ पढ़ाते हैं। अपराधियों को जेल भेजने व गरीबों के हक की बात करते हैं। वहीं इसके उलट अयोध्या में भाजपा नेता ही गरीबों के साथ जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर दबंगई कर लिया हैं।

अयोध्या में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह के पति आलोक सिंह उर्फ रोहित सिंह पर राजस्व कर्मियों और पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाकर एक विधवा महिला का उत्पीड़न कर उसकी जमीन को जबरिया कब्जा करने का गंभीर आरोप लगा है। पूरा मामला बरहटा माझा की गाटा संख्या 656 का है। अयोध्या निवासी पूनम पाठक ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि मेरे पति स्व वीरेंद्र पाठक, अशोक पाठक और किरन पाठक ने 1 बिस्वा 20 धुर का एक पंजीकृत संयुक्त बैनामा वर्ष 1997 में करवाया था, जो राजस्व अभिलेखों में भी दर्ज है। वर्ष 2002 में किरण

पांडेय ने अपने हिस्से पर अपना मकान बनवा लिया था। उसी समय वीरेंद्र पाठक ने भी अपनी बाउंडरी और गेट लगवा लिया था। अशोक पाठक का प्लाट तबसे आज तक खाली पड़ा है। वर्ष 2006 में लिखित बंटवारा भी किरण पांडेय अशोक पाठक और वीरेंद्र पाठक के मध्य हुआ था, जिसमें सभी के हस्ताक्षर गवाहों के समक्ष हैं और सभी अपने हिस्से पर काबिज थे। वर्ष 2016 में अशोक कुमार पाठक से रामसेन सिंह जो जिला पंचायत अध्यक्ष के पिता है।

उन्होंने एक पंजीकृत बैनामा लिया था, लेकिन षड्यंत्र पूर्वक चौहद्दी वीरेंद्र पाठक के प्लाट की लिखवा दिया था। इसका पता शिकायतकर्ता महिला को 2 सप्ताह पूर्व चला जब वो अपने प्लाट पर कुछ निर्माण कार्य करवाने गयी। जिला पंचायत अध्यक्ष के 5-6 लोग विवाद उत्पन्न करने लगे और उसके कार्य को जबरदस्ती रुकवा दिया। पीड़ित महिला पूनम पाठक ने घटना की शिकायत नयाघाट चौकी इंचार्ज तथा सहायक अभिलेख अधिकारी से 5 जुलाई को की। इस पर लेखपाल कानून गो से स्थलीय निरीक्षण कर आख्या मांगी गई, जिसके अनुपालन में राजस्व टीम मौके और अभिलेखों की जांच कर लिखित रिपोर्ट 22 जुलाई को दे दी, जिसके अनुसार पीड़ित महिला अपने अंश की भूमि पर बैनामे के समय से ही काबिज है तथा मौके पर उसकी बाउंडरी वाल गेट लगा है। मोहल्लेवासियों ने भी इसकी पुष्टि की है। इस आख्या पर लेखपाल, कानून गो और सहायक राजस्व अधिकारी के हस्ताक्षर भी है। बावजूद जिला पंचायत अध्यक्ष पति इस रिपोर्ट को मानने को तैयार नही है। वो पीड़ित महिला को निर्माण कार्य नहीं करने दे रहा है। उसकी भूमि पर जबरन कब्जा करना चाहता है। पीड़ित महिला ने क्षुब्ध होकर अपनी शिकायत जिलाधिकारी सहित मुख्यमंत्री से की है।

रोमी साहनी ने उठाया गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च

» फीस कोर्स और ड्रेस दिलाने के लिए दिए पचास हजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पलिया विधायक रोमी साहनी अपनी विधानसभा में नेक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। हमेशा की तरह आज उन्होंने फिर एक बड़ी मिसाल पेश की है। बीजेपी विधायक रोमी साहनी ने इस बार गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाया है।

पलिया विधायक रोमी साहनी ने गरीब बच्चों की फीस व ड्रेस कोड के लिए 50000 पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी। गांव दौलतपुर ग्रंट न010 की रेखा देवी पत्नी स्व0 पंकज विश्वकर्मा ने अपने बच्चों की फीस के लिए विधायक रोमी साहनी से कहा कि मेरे पास रुपये नही है और मेरे बच्चे पढ़ाई करना चाहते हैं तो विधायक ने जलज व सजल पुत्र पंकज दोनों भाइयों को फीस के लिए आर्थिक सहायता दी। इसी प्रकार ग्राम छत्तीपुर ग्रंट न018 की शांति देवी पुत्री मुकेश को फीस के लिए दिए रुपये। छत्तीपुर ग्रंट न018 की पूनम देवी पुत्री रामकृपाल 12वीं को भी विधायक रोमी साहनी ने आर्थिक मदद दी। इसके अलावा पूजा सिंह भवानीगंज सहित कई गरीब छात्र-छात्राओं को विधायक रोमी साहनी ने फीस व ड्रेस दिलाई।

ट्यूबवेल में मीटर लगाए जाने से किसान नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) का दावा है कि निजी नलकूपों में मीटर लगाए जाने से किसानों में गुस्सा है। नाराज किसान पूछ रहे हैं कि सत्ताधारी भाजपा के घोषणापत्र में किसानों को तो मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया था। किसानों से किए गए इस वादे को अब मजाक बनाया जा रहा है।

भाकियू का प्रतिनिधिमंडल प्रवक्ता धमेंद्र मलिक व युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह की अगुवाई में पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार को सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए किसानों की समस्याओं को बताया। एमडी से कहा गया कि सामान्य योजना के कनेक्शन का सामान जारी करने में देरी, विद्युत उपकेंद्रों व ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि, जर्जर तारों को बदलने, गलत बिजली बिल दिए जाने की समस्या से किसान परेशान हैं। लो-वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है। नेताओं ने बताया कि एमडी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि एलएमवी पांच के तहत निजी नलकूप कनेक्शनों की बिलिंग अनमीटर्ड निर्धारित दरों पर ही की जाएगी।

लखनऊ में दारोगा की कुर्सी पर बैठे व्यापारी का फोटो वायरल

» मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिना अनुमति किसकी हिम्मत है जो चौकी में दारोगा की कुर्सी पर बैठकर फोटो खिंचवा ले। पारा की मोहान रोड चौकी में दारोगा की जगह मौरंग कारोबारी का कुर्सी पर बैठे हुए एक फोटो वायरल हुआ था। इस घटना के चार दिन बाद भी कारोबारी का पता नहीं लग सका है।

डाक्टर खेड़ा निवासी कारोबारी नरेंद्र यादव और चौकी प्रभारी धीरेंद्र सिंह की काफी लंबे समय से दोस्ती है। कारोबारी का चौकी में आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान उसने फोटो खिंचवाई थी, करीब 20 दिन पहले कारोबारी का जन्मदिन था। जहां चौकी प्रभारी के साथ अन्य पुलिस कर्मचारी उसके जन्मदिन में शामिल हुए थे। इंस्पेक्टर दधिबल तिवारी ने बताया कि आरोपी नरेंद्र को पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक आगरा एक्सप्रेसवे के पास बिना अनुमति के मौरंग मण्डी लगती

है। जहां से नरेंद्र व्यापार करता है। इस बारे में पुलिस सूत्रों का ही कहना है कि जिस समय कारोबारी नरेंद्र ने फोटो खिंचवाई, क्या उस समय चौकी पर कोई नहीं था। फोटो खिंचवाने के बाद कारोबारी ने फोटो को सोशल मीडिया पर बिना डरे शेयर कैसे कर दिया। क्या दरोगा ने अपनी वर्दी बचाने के चक्कर में कारोबारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कारोबारी के खिलाफ खुद दारोगा ने मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी आशुतोष कुमार का इस मामले में कहना है कि आरोपित की धर-पकड़ के बाद ही मामले का पूरा खुलासा होगा। अगर दारोगा दोषी पाए जाते हैं तो उनसे पूछताछ कर कार्रवाई की जाएगी।

फोटो: 4पीएम

खुशी राजधानी लखनऊ में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने अधिकार सेना पार्टी गठित की है और इस पार्टी का सिंबल है मुट्ठी बंद। अपने पार्टी सिंबल के साथ खुशी का इजहार करते अमिताभ ठाकुर।

सीएम योगी को लेटर लिख ट्रेन के आगे कूद गया बुजुर्ग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर में जेके कॉटन मिल से रिटायर्ड 75 साल के बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बुलडोजर बाबा यानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सुसाइड नोट लिखकर छोड़ा है।

इसमें बुजुर्ग ने जेके कॉटन मिल के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सीएम योगी और पीएम मोदी से न्याय की गुहार लगाते हुए बुजुर्ग ने लिखा कि दोषियों को बख्शा ना जाए। मामला फजलगंज थाना क्षेत्र के कमला क्लब इलाके का है। पुलिस ने बताया कि मृतक बुजुर्ग का नाम नारायण श्रीवास्तव था। सुसाइड नोट के मुताबिक जेके कॉटन मिल के प्रबंधक संजय दुबे और सुरक्षा अधिकारी रविंद्र सिंह उन्हें प्रताड़ित करते थे। बुजुर्ग ने लिखा कि इन दोनों ने मिलकर उनके घर की बिजली और पानी तक का कनेक्शन कटवा दिया है। कंपनी की तरफ से उन्हें कुछ रुपये दिए जाने थे। वे भी उन्हें नहीं दिए गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।